HINDI TRANSLATION

PDF

AND DO JIHAD IN ALLAH'S PATH AS IS DUE TO HIM

اسلامیان کشمیر اور ہند کے نام پیغام

Message for the Muslims of Kashmir and India

طلحہ عبد الرحمان حفظہ اللہ | ترجمان انصار غزوۃ الہند

Talha Abdul Rehman (May Allah protect him)
Spokesperson Ansar Ghazwat Ul Hind

ताकि तुम कामयाब हो और जो हक़ जिहाद करने का है खुदा की राह में जिहाद करो उसी नें तुमको बरगुज़ीदा किया और उमूरे दीन में तुम पर किसी तरह की सख़्ती नहीं की तुम्हारे बाप इबराहीम के मजहब को (तुम्हारा मज़हब बना दिया उसी (खुदा) ने तुम्हारा पहले ही से मुसलमान (फरमाबरदार बन्दे) नाम रखा और कुराआन में भी (तो जिहाद करो) ताकि रसूल तुम्हारे मुक़ाबले में गवाह बने और तुम पाबन्दी से नामज़ पढ़ा करो और ज़कात देते रहो और खुदा ही (के एहकाम) को मज़बूत पकड़ो वही तुम्हारा सरपरस्त है तो क्या अच्छा सरपरस्त है और क्या अच्छा मददगार (सूरए हज:78)

मेरे दिल के करीब मुजाहिदीन साथियों और कश्मीर और बर सगीर हिन्द में रहने वाले तमाम अहले ईमान

अस्सलामु अलैकुम वा रहमातुल्लाही वा बराकातहू

एक लम्बे अरसे के बाद अंसार गज्वातुल हिन्द की तरफ से आप मोहतरम हजरात के सामने ये पैगाम पहुचाने की जिसारत कर रहा हु कि चाहे रात किस कदर भी तारीक हो लेकिन सुबह का आना लाजमी है, एक ऐसी सुबह जो जुल्म व सितम के अंधेरो को मिटा देगी और तमाम बातिल निज़ामो को खाकस्तर कर देगी, अगर ये रात ख़ौफ़नाक और लम्बी ही है लेकिन ये एक आजमाइश और इम्तहान भी है और आजमाइश में वही लोग फ़तह हासिल करेंगे जिन का यकीन मुहकम होगा और अमल पैहम होगी।

ये अल्लाह तआला का ही कर्म अज़ीम है के इतनी साजिशो और झूठे इल्जामात और तोहमतो के बावजूद ये काफिला कभी थमता नही, अंसार ग़ज़वातुल हिन्द के मुजाहिदीन आज भी शहदा की सरजमीन को अपने खून से सींच रहे है, और इस बात की गवाही दे रहे है कि इन्होंने अपने रब से किया वादा पूरा कर लिया है।

इस मौके पर मैं पूरी उम्मते मुस्लिमा और खास तौर पर कश्मीर के गयूर मुसलमानो को इस बात की मुबारकबाद भी पेश करता हूँ के बरकतों और मगफिरत के इस महीने में अंसार ग़ज़वातुल हिन्द के नायब अमीर बुरहान मजीद कोका जिन का जिहादी नाम अबु बकर शोपयानी था अपने दो मुजाहिद साथियो हिलाल अहमद खान उर्फ उमर फिदाई और नासिर अहमद भट उर्फ अम्मार के हमराह अपने ख़ालिक़ हकीकी से किया वादा निभा गए।

शहदा की सरजमीन शोपियां में तीन रमज़ान उल मुबारक को इन अज़ीम शिफ्त और सादिक़ मुजाहिदीन ने हज़ारो की तादाद में हिन्द मुशरिक फ़ौज़ से एक तवील मुआरका आराई की और अपने खून को उस उहद का गवाह रखा के या तो शरीयत होगी या शहादत होगी।

मैं अहले ईमान को अज़ीम मुजाहीदीन की शहादतों की मुबारकबाद भी देता हूँ जिन्होंने पिछले आठ महीनों में काफिले को

ज़िंदगी अता की और जिन्होंने अपनी जिंदगी और मौत खालिस अल्लाह के दीन की खातिर सरफ़रोश कर दी।

अंसार ग़ज़वातुल हिन्द के अमीर सानी अब्दुल हमीद लोन जिन का जिहादी नाम हारून अब्बास था अपने दो मुजाहिद साथियो नवेद अहमद ताक और जुनैद अहमद भट के हमराह रब से किया अपना वादा निभा गए।

यहां पर ये ज़िक्र भी करना जरूरी है कि शहीद जुनैद ने अपने भाई मुजाहिद जाहिद अहमद भट की शहादत के कुछ अरसे बाद अंसार ग़ज़वातुल हिन्द की सफो में शामिल हो गए थे, इनकी शहादत के कुछ रोज़ क़ब्ल (पहले) अंसार के मुजाहिदीन आफेद लोन और मुहम्मद अब्बास ने शरीयत या शहादत का अपना वादा पूरा किया। इसी तरह अंसार के तीन और साथी इब्ने शहीद जहांगीर रफीक वानी और राजा उमर मक़बूल और सआदत ठोकर हिन्दू कुफ्फार के खिलाफ एक मुआरके में शहीद ही गए।

इनकी शहादत के बाद सब्बीर अहमद मुल्क और आमिर अहमद डार भी अपने रब से किया वादा निभा गए और हाल ही में एक तवील मुआरके आराई के बाद तारिक़ अहमद भट और बशारत शाह और वकील अहमद डार और अज़ीज़ अमीन भट भी अलहम्दुलिल्लाह अपना किया वादा सच्चा कर गए, "इन्ना लिल्लाहि व इन्नाइलैहि राजीउन" हम यकीनन अल्लाह ही के है और बेशक हमे अल्लाह ही कि तरफ लौटकर जाना है

अगर इन साथियो के बिछड़ने से हमारे दिल ग़मज़दा हो गए लेकिन इन की शहादतो ने हमारे अज़्म को और भी मजबूत कर दिया है कि कश्मीर को हर बातिल निज़ाम से आज़ाद किया जाएगा और ज़मीन पर अल्लाह का निज़ाम क़ायम किया जाएगा।

कश्मीर में और बरसगीर हिन्द में रहने वाले मेरे भाइयों इंशाअल्लाह अंसार ग़ज़वातुल हिन्द का काफिला न रुकेगा।

इस मौके पर मैं आप को इस बात की भी मुबारकबाद देता हूँ के अमीर मुहतरम गाज़ी खालिद इब्राहिम हिफजुल्लाह की इमामत में अंसार ग़ज़वातुल हिन्द का काफिला अपनी मंज़िल और मक़सद की तरफ पहले से ज्यादा हिम्मतवर और तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है अलहम्दुलिल्लाह

अंसार ग़ज़वातुल हिन्द कोई तंज़ीम नही है और हमारा जिहाद तंज़ीम की बाला दस्ती के लिए नही है, बल्कि हमारे मक़सद तो जिहाद को मुल्कों के मुफाद से आज़ाद करके महफूज़ और मजबूत करना है और इस जिहाद को तमाम साजिशो और बातिल के मुफादो से पाक और महफूज़ रखना है।

अंसार गजवतुल हिन्द तो अल जिहाद और ही अल फलाह की अजान है यही वो जिहाद का रास्ता है जिसमें फलाह और फतह और नुशरत का वादा किया गया है -

जिस आयत की तिलावत मैने शुरू में आपके सामने की ये शुरा हज की आखिरी आयत है जिस में अल्लाह ता आला मुख्तसर में फलाह और फतह का रास्ता दिखाते है और फरमाते है कि अल्लाह की राह में ऐसा ही जिहाद करो जैसे जिहाद का हक है-

मेरे अजीज मुजाहिदीन साथियों इस बात को समझे कि ये अल्लाह ता आला का हुक्म है कि जिहाद को वैसे ही करना है जैसे के जिहाद का हक है

ये जिहाद किसी का मोहताज नहीं हो सकता है और ये जिहाद किसी मुल्क या तंजीम के मुफाद का गुलाम नहीं हो सकता है और ना ये किसी की दाखला पॉलिसी या खारजा पॉलिसी का गुलाम हो सकता है अगर ये फरमान इलाही है तो हम कौन होते है जो इस जिहाद को अपनी मर्जी और किसी बातिल के मफ़ाद के लिए इस्तेमाल होने देते है हम तो जिहाद के पास बान है और जिहाद हमारे लिए इबादत है जिस तरह हर इबादत का तरीका और मकसद अल्लाह ता आला ने मुकरर कर रखा है ठीक इसी तरह जिहाद का तरीका और मकसद और किब्ला भी तो अल्लाह ता आला ने मुकरर कर रखा है

तो हम कोन होते है इस जिहाद को रोकने वाले और हम कोन होते है किसी मुल्क के मूफाद के लिए इस जिहाद की आंच को धीमा या तेज करने वाले

अल्लाह ता आला शूरा हज की इस आखिरी आयत में फरमाते है के इसी ने तुम्हे बर गजीदा बनाया है और तुम पर दीन के बारे में कोई तंगी नहीं डाली दीन अपने बाप इब्राहीम (A.S.)का कायम रखो,

इसी अल्लाह ने तुम्हार नाम मुसलमान रखा है इस कुरआन से पहले और इस में भी ----

ताकि पैग़म्बर तुम पर गवाह हो जाए और तुम तमाम लोगो के गवाह बान जाओ ---

बस तुम्हे चाहिए के नमाजे कायम रखो और जकात अदा करते रहो और अल्लाह को मजबूत थाम लो वहीं तुम्हारा वली और मालिक है

बस क्या ही अच्छा मालिक है और कितना ही बेहतर मददगार है

इस आयत में अल्लाह ता आला वाजिह अल्फ़ाज़ में ये कहते है कि बस वहीं वली है और मालिक है और मददगार भी और ईमान वालों से कहते है के हजरत इब्राहीम (A.S.)के दीन को कायम रखो-

लेकिन ये समझना भी जरूरी है के हजरत इब्राहीम(A.S.)का दीन क्या है :तौहीद की गवाही देना और तमाम बातिल का इन्कार करना -

ये तो हजरत इब्राहीम (A.S.)ही थे जिन्होंने बुत शुकनी की अज़ीम दावत दी -

ये दीन हर ईमान वाले से बुत शुकन होने का फैसला मांगता है फिर वो बुत आजर ने बनाए हुए हो या लात और मिनात की शक्ल में हो या आज के दौर में मुल्कों की शक्ल में हो -

किया आज के दौर का सबसे बड़ा बुत वतनियत नहीं है जिस की परसतस तमाम कुफ्र की दुनिया कर रही है और आज ये जिहाद हम सब से ये सवाल पूछ रहा है कि हम ने पाकिस्तान को बुतो के दर्जे पर किस के कहने पर रखा और हम ने किस के कहने पर अपने जिहाद को रोक दिया - हमे तो बुत शिकन बनना था लेकिन किस के कहने पर बुत परस्त हो गए - किस के कहने पर हमने इस जिहाद को रोक रखा है और किस के कहने पर बंद करने के बाद हम ये जिहाद शुरू करते है -

जिन के पास कुवत और तादाद है ये जिहाद उनसे सवाल करता है और ये जिहाद हम सबसे सवाल करता है कि किसके मफाद के लिए मुजाहिदीन को खामोश तमाशाही बनाया गया है क्या आपकी खामोशी इस जिहाद के मफाद की खातिर है और क्या इस खामोशी से इस जिहाद का हक अदा हो रहा है इन सवालों के जवाब आप खुद से पूछ लीजिए -

हमारा जिहाद अगर आज कमजोर और इस जिहाद के फैसला अगर किसी बातिल निजाम के मफाद के लिए हो रहे है तो इसके जिम्मेदार और गुनेहगार तो हम सब है और इस का हिसाब तो हम सब से लिया जाएगा अंसार का हर एक मुजाहिद इस बात को अपना फर्ज समझता है कि वो ये सवालात खुद से भी करे और आप सब से भी करे- इस जिहाद को महफूज करना और मजबूत करना और इस जिहाद का हक अदा करना तो हम सब पर फर्ज है - अगर इस फर्ज को अदा करने में हम से ख़यानत हो गई तो हम मुजाहिद होकर भी इस जिहाद के मुजरिम हो जाएंगे -

मेरे अजीज मुजाहिद साथियों

वक़्त अहमियत रखता है –और वक़्त तकाजा कर रहा है –जिहाद को बातिल के मफाद के लिए इस्तेमाल ना होने दीजिए-जिहाद का हक अदा कीजिये-जिहाद को शरियत या सहादत के अज़ीम मकसद के लिए ही कीजिये क्योकि उसमे फलाह और फतह और नुशरत है

हिंदुस्तान में रहने वाले मेरे अज़ीज़ मुसलमान भाइयो

हम आपका दर्द समझते है और आप पर हिन्दू मुशरिकीन के लगाया हुआ हर जख्म हमारे दिलो पर लगता है

आप इस बात को हमेशा याद रखे की आप की और आप के अहल खाना और आप के ईमान की हिफाज़त सिर्फ और सिर्फ जिहाद में है

आप की फलाह जिहाद है –और खैर जिहाद है –ये बातो की परसित्श करने वाले आप को कभी जीने नहीं देंगे क्योकि आपने तौहीद की गवाही दी है –ये कल तक आपके छुपे दुश्मन थे और आपको खबर नहीं थी –आज ये आपके खुले दुश्मन है और आपको उस बात की तैयारी नहीं है

इनके दिलो में आपके लिए और आपके बच्चो के लिए सिर्फ नफरत और जहर बसा है –इनकी अदालते और इनके कानून आपके लिए सिर्फ नफरत और अजीतो का सामान पैदा कर सकते है –इन गाय के पुजारियों से आपका कुरआन और आपकी कोई मस्जिद महफूज़ नहीं है

अगर आप इनके रंग में ढल भी जाये तब भी आप इनके लिए दुश्मन है-इसलिए इनके बातिल और झूठे निज़ाम से आज़ाद होने के लिए इस्लाम को अपना देश बना लीजिये और अल्लाह ताला के वायदों पर भरोसा कीजिये और इस अज़ीम जिहाद में अपना हिस्सा डाले

हम इस मौके पर कश्मीर में रहने वाले तमाम अहल ईमान को इस बात पर उभारते है के तैयारी करो

इस दौर में जब हिन्दुस्तान के मुशरिक हिन्दू हुकूमत ,फौज ,पुलिस और ख़ुफ़िया इदारे कश्मीर की मुबारक जिहादी तहरीक और मुजाहिदीन को मिटाने की भरपूर कोसिस कर रही है जिसके लिए वो तमाम हथकंडे अपना रहे है फिर वो महीनो का कर्फ्यू हो या मुजाहिदीन की जिसद खाकी को दूर वीरानो में दफ़न करना या फिर कश्मीर में मुशरिक हिन्दू जत्थों की बस्तिया आबाद करना हो, ये सब हरबे नरेंदर मोदी और इसके गलिश हिन्दू टोले के दिलो की कैफियत भी बयान कर रही है कि इन्हें कश्मीर की मुजाहिद कौम और इसके जिहाद फि सबिलिल्लाह से किस कदर खौफ है

इनके खौफ की वजह से बढ़ने वाला या ज़ुल्म हमारी गैरत इमानी का इम्तेहान है –इन आज़माइशो में हमारा सबसे पहला और बड़ा हथियार दुआ है ,इसके साथ साथ आज़ाद जिहाद की तहरीक को मज़बूत करने की हर मुमकिन कोसिस कीजिये फिर चाहे वो माल के ज़रिये हो या मुजाहिदीन को पनाह देना हो –आगे मरहले कठिन होने वाले है –लिहाज़ा हर चीज़ की तैयारी

करने की कोसिस कीजिये ,हम जितनी तैयारी कर सकेंगे इतना कठिन मरहलो में दुश्मन पर सबगत हासिल कर सकेंगे इंशा अल्लाह

इस मौके पर हम हिन्दुस्तानी फौज और पुलिस में इन लोगो को जिहाद की दावत देते है जो खुद को मुसलमान समझते है –अपनी बन्दूको का रुख दुरुस्त करके इन्हें हिन्दुस्तानी मुशरिको की जानिब कर लीजिये इसी में आपकी इस दुनिया और आखिरत में फलाह है वरना आपके लिए ज़िल्लत और रुसवाई की मौत है

हम नरेंदर मोदी और इसके पुरे हिन्दू टोले से ये कहना चाहते है कि जिस तारीख को वो नए सिरों से लिखने की कोशिश कर रहे है इसको चाहे वो कितना भी तब्दील क्यों न कर ले लेकिन तारीख में जो मुसलमानों के हाथो इनकी ज़िल्लत और रुसवाई इनके दिलो में घर कर चुकी है इसको ये कैसे मिटा सकेंगे

ये तो मेरे रब का रौब है जो वो इन गाय के पुजारियों के दिलो से ना मिटने देता है –ये गलीज़ हिन्दू कितना भी बहादुरी का लिबादा ओढ़ ले हमे इनके दिलो की कैफियत मालूम है –हमे मालूम है कि इनकी बुजदिल फौज को हज़ारो की तादात में आना आता है तब ये दो या तीन मुजाहिदीन का सामना कर पाते है

तुम लोग कितनी भी ऊँची दीवारे क्यों न बना लो , कितना ही ज़दीद असला क्यों न खरीद लो लेकिन अल्लाह के शेर तुम पर बिजलिया बन कर गिरेंगे बिजनिल्लाह

कश्मीर और बार सगीर हिन्द में रहने वाले मेरे अज़ीज़ मुसलमान भाइयो

इस बात का यकीन कीजिये कि अगर आपने जिहाद की तैयारी नहीं की तो आपकी मदद कोई नहीं कर सकता है –आप किसी के फरेब पर भरोसा मत कीजिये –आपकी असल कुव्वत अल्लाह पर यकीन रखना है और अल्लाह ही के भरोसे इस जिहाद को जिंदा रखना है और मज़बूत करना है –अल्लाह के अहकाम को जो अंसार अल्लाह लब्बैक कहे अल्लाह के मददगार बन जायेंगे

खुरासान से आती नुशरत और शरियत की महक को महसूस कीजिये-अल्लाह ताला इन्ही कौमो को इज्ज़त और नुशरत अता करता है जो अल्लाह के वाली होने और अल्लाह के मददगार होने पर भरोसा करती है और जो कुफ्र और बातिल के हर झूठे खुदा और बैत से इनकार करें

ऐ हमारे रब –हमे हिदायत देने के बाद हमारे दिल टीठऐ न कर दें और हमे अपने पास से रहमत अता फरमा यकीनन तू ही बहुत बड़ी अता देने वाला है

व आखिर दुआ इना इन अल्हम्दुलिल्लाह रब्बुलालमीन

मुजाहिद तल्हा अब्दुर रहमान हिफज़ुल्लाह

तर्जुमान अंसार गजवातुल हिन्द

रमजान 1441

मई 2020